केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 111 गुरूवार 14 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

पुलिस कार्य क्षेत्र के विवाद में छह घंटे से पड़ा रहा ट्रेन यात्री का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सीएचसी गौर में पिछले छह घंटे से ट्रेन यात्री का शव पुलिस के कार्यक्षेत्र के विवाद में पड़ा हुआ है। जीआरपी व गौर थाने की पुलिस के बीच शव का पोस्टमार्टम कराने को लेकर पेच फंसा हुआ है। सीएचसी अधीक्षक ने आला अधिकारियों को मामले से अवगत कराया है। मृतक के परिजन सीएचसी पर मौजूद हैं। पीएम नहीं होने से परिजन परेशान नजर आ रहे हैं।

अमृतसर से चलकर जयनगर जाने वाली शहीद एक्सप्रेस में बुधवार को ट्रेन में यात्रा कर रहे एक यात्री की मौत हो गई। यात्री को बभनान रेलवे स्टेशन पर उतारा गया। इलाज के लिए नजदीकी सीएचसी गौर ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सीएचसी अधीक्षक ने मौत की सूचना गौर थाने को दी, लेकिन एसओ गौर ने यह कहकर जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया कि मामला जीआरपी के कार्यक्षेत्र का है। आरपीएफ पोस्ट बभनान के एसआई विश्वामित्र यादव ने बताया कि बभनान रेलवे स्टेशन पर जब यात्री को उतारा गया था, उस समय वह जिंदा था। उसे एम्बुलेंस में बैठाकर सीएचसी भिजवा दिया गया था, रास्ते में उसकी कहीं मौत हुई होगी।

अंबाला कैंट से दरभंगा जाने के लिए यात्री गंगा शाह (50) पुत्र बोखू शाह, निवासी सोनक, थाना सिपोड़ दरभंगा अपने भाई राजेंद्र शाह के साथ जनरल बोगी में सफर कर रहा था। राजेंद्र शाह ने बताया कि रास्ते में गंगा शाह की तबीयत बिगड़ने पर उसे लगभग 11 बजे बभनान रेलवे स्टेशन पर उतारा गया। आरपीएफ की मदद से 108 पर कॉल कर एम्बुलेंस बुलाई गई और सीएचसी पर लाया गया। यहां जांच के बाद बताया गया कि मरीज की मौत हो चुकी है।

उसके भाई के परिवार में पत्नी व तीन बेटे हैं। अंबाला में रहकर वह मजदूरी करता था। सीएचसी गौर के अधीक्षक डॉ. जेपी कुशवाहा ने बताया कि मरीज की मौत की सूचना स्थानीय थाने पर दी गई, लेकिन पुलिस शव को नहीं ले गई। सूचना आला अधिकारियों को दे दी गई है। परेशान परिजन अब शव को घर ले जाना चाहते हैं।

हॉस्टल से किशोर लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसरामपुर पुलिस ने रहस्यमय हाल में मदरसा हॉस्टल से एक किशोर के लापता होने के मामले में केस दर्ज किया है। रायपुर निवासी हुसैन ने तहरीर देकर बताया है कि उनका बेटा नूर मोहम्मद (14) सिकन्दरपुर स्थित मदरसा हॉस्टल में पढ़ता था। चार नवंबर की सुबह करीब पांच बजे बिना बनाए हॉस्टल से सामान लेकर कहीं चला गया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पं सूर्यनरायन तिवारी पंचतत्व में विलीन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रदेश शासन के विशेष सचिव उदयभानु तिवारी के पूजनीय पिता समाजसेवी पं सूर्यनरायन तिवारी का बीते सोमवार की रात में निधन हो गया था। स्व श्री तिवारी के पार्थिव शरीर को मोक्षदायिनी सरयू के पिठीया घाट पर सनातन धर्म की रीति के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया। पं सूर्यनरायन तिवारी को मुखाग्नि उनके जेष्ठ पुत्र चंद्र भान तिवारी ने दी।

अंतिम संस्कार कार्यक्रम में राम बहादुर तिवारी, पशुपति नाथ मिश्र, उदय भानु तिवारी, मुन्ना तिवारी, गुड्डु तिवारी, शशांक , हरिनाथ तिवारी, बैजनाथ मिश्र, संगम सहित अनेक गणमान्य एवं समाजसेवी मौजूद रहे।

10राज्यों की 31 विधानसभा,वायनाड लोकसभा सीट पर हुआ मतदान

नई दिल्ली (आभा)। 10 राज्यों की 31 विधानसभा,वायनाड लोकसभा सीट पर प्रत्याशियों का चुनावी भाग्य ईबीएम के हवाले हो गया। बंगाल में टीएमसी नेता की मौत के साथ ही राजस्थान में निर्दलीय प्रत्याशी द्वारा एसडीएम को थप्पड़ मारने की घटनायें सामने आयी।

झारखंड में पहले फेज की 43 सीटों के साथ ही 10 राज्यों की 31 विधानसभा और केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर बुधवार शाम 5 बजे वोटिंग खत्म हो गई। रिजल्ट 23 नवंबर को आएगा। निर्वाचन आयोग के मुताबिक बुधवार को पहले चरण में 43 सीटों में सरायकेला–खरसावां जिले में सबसे अधिक वोटिंग हुई है। यहां पांच बजे तक 77.32 फीसदी मतदान हुआ है। बुधवार को 43 में से 10 विधानसभा सीटों पर 70 फीसदी से अधिक वोटिंग हुई है। दूसरे नंबर पर बहरागोड़ा है जहां 76.15 फीसदी मतदान हुआ है। तीसरे नंबर पर लोहरदगा में 73.21 फीसदी वोटिंग हुई है। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका विधानसभा सीट पर 72.29:, राजधानी रांची की मांडर विधानसभा सीट पर 72.13 फीसदी मतदान हुआ है। सरायकेला विधानसभा सीट पर 71.54:, गुमला जिले की सिसई विधानसभा सीट पर 71.21 प्रतिशत मतदान हुआ है। लोहरदगा जिले की बिशुनपुर विधानसभा सीट पर 70.06 वोटिंग हुई है। पूर्वी सिंहभूम की घाटशिला विधानसभा सीट पर 70.05: मतदान हुआ है। लातेहार में 69.7 फीसदी मतदान हुआ है।

पश्चिम बंगाल में नॉर्थ 24 परगना जिले के जगतदल इलाके में कुछ लोगों ने टीएमसी नेता अशोक साहू पर बम फेंके और गोलीबारी की। इसमें उनकी मौत हो गई। वे टीएमसी के वार्ड अध्यक्ष रह चुके हैं।

राजस्थान के देवली–उनियारा सीट पर कांग्रेस से बागी और निर्दलीय उम्मीदवार नरेश मीणा ने एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया। वे समरावता मतदान केंद्र जबरन घुसने की कोशिश कर रहे थे।

बिहार के तरारी विधानसभा सीट पर वोटिंग को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई। दोनों गुटों में हुई मारपीट में 6 लोग घायल हुए हैं। एक युवक का सिर फट गया। पुलिस को यहां फ्लैग मार्च करना पड़ा।

केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर कांग्रेस की प्रियंका गांधी वाड्रा का मुकाबला भाजपा की नव्या हरिदास और लेफ्ट के सत्यन मोकेरी से है। प्रियंका वायनाड में एक बूथ पर पहुंचीं और लोगों से मिलीं।

वाहन स्वामियों के लिये ओटीएस स्कीम लागू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शासन द्वारा व्यावसायिक वाहन स्वामियों की सुविधा के लिए ओ0टी0एस0 स्कीम लागू हैं। उक्त जानकारी देते हुए संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) रवि कान्त शुक्ल ने बताया कि इसके लिए वाहन स्वामी को सर्वप्रथम कार्यालय में आकर इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए पंजीयन कराना होगा और फिर बकाया कर धनराशि की व्यवस्था करते हुए कर बकाया जमा करना होगा और पेनाल्टी में शत–प्रतिशत छूट दी जायेगी।

विवादित भूमि पर निर्माण रोकने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र के हेगापुर निवासी रामराज पुत्र रामदास ने पुलिस अधीक्षक को रजिस्टर्ड पत्र भेजकर जबरिया मकान बनवाये जाने के मामले में न्याय की गुहार लगाया है। पत्र में रामराज ने कहा है कि उनके भूमिधरी नम्बर 545/0.051 हेक्टेयर में व्यक्तिगत नम्बर 547 भूमि स्थित है। इसमें उनका नींव पहले से भरा है और वे अपना मकान बनवा रहे हैं। आराजी नम्बर 536 और 537 विवादित भूमि का मुकदमा उप जिलाधिकारी न्यायिक के यहां विचाराधीन है इसके बावजूद विपक्षी रज्जू, मनजीत पुत्रगण झगरू, पिंकी पत्नी रज्जू, मिथिला देवी पत्नी झगरू, प्रतिभा पुत्री झगरू आदि के द्वारा जबरिया मकान का निर्माण कराया जा रहा है। विरोध करने पर मारपीट की धमकी देते हैं। रामराज ने मांग किया है कि जब तक अदालत का निर्णय नहीं आ जाता उक्त भूमि पर न जो कोई कब्जा करने दिया जाय न ही कोई निर्माण हो।

बस्ती के राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क सुरक्षा के संकेतक गायब :कोहरे में बढ़ेंगी मुश्किलें

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क सुरक्षा कागजों तक सिमट कर रह गई है। फर्राटा भरते गुजर रहे वाहनों की सुरक्षा के लिए राजमार्ग पर बनाए गए संकेतक 'लापता हो रहे हैं। डिवाइडर व कट पर लगे संकेतकों का कुछ अता पता नहीं है। रेडियम की पट्टियां धुंधली पड़ गई हैं। सड़क पर कोहरा घना होने पर वाहनों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। सड़क व यातायात सुरक्षा को लेकर शासन की ओर से समय–समय पर जारी किए जा रहे निर्देशों को लेकर राजमार्ग के अधिकारी लापरवाह बने हुए हैं। मौसम में बदलाव के बाद कोहरे ने दस्तक देना शुरू कर दिया है। फोरलेन पर कोहरे से होने वाली दुर्घटना की रोकथाम के लिए एनएचएआई की ओर से किए जा रहे दावों की पोल संकेतकों की दुर्दशा खोल रही है। कोहरे में हादसों के रोकथाम के लिए डिवाइडर और कट पर लगाए गए संकेतक गायब हो चुके हैं। चालक की सतर्कता हटने पर बड़े हादसे का खतरा बना रहता है।

नवम्बर की शुरुआत होते ही कोहरे ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। सड़क पर हादसों की संभावनाएं बढ़ गई है। एनएचएआई की ओर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कोहरे के समय दुर्घटना के रोकथाम के लिए जगह–जगह संकेतक, रेडियम के चिह्न लगाए जाने, डिवाइडर पर पीली और सफेद रेडियम की पट्टियां लगाए जाने का प्रावधान है। गाड़ियों की लाइट पड़ने पर दूर से ही कट और डिवाइडर दिख जाता है। जानकार चालकों का कहना है कि घने कोहरे में सड़क पर लगी पट्टियों से गाड़ी चलाने में मदद मिलती है। फोरलेन पर इसके लिए कोई तैयारी नहीं दिख रही है।

हाईवे पर बने कट पर घने कोहरे के दौरान हादसे की संभावना बनी रहती है। वर्तमान में संकेतक मिट जाने व न होने की वजह से संभावना ज्यादा बढ़ जाती है। अति व्यस्त कप्तानगंज चौराहा व हर्रैया का बिजरा चौराहे पर कोहरे के दौरान पूर्व में कई बड़े हादसे हो चुके हैं। यहां लगे संकेतक लंबे समय से गुम हैं। फोरलेन पर घघौवा से संतकबीरनगर की सीमा तक दर्जनों कट खतरा बने हुए हैं।

तीन कसाईखाना के प्रकरण में सेवा निवृत्ति से पहले अपर मुख्य सचिव मनोज सिंह के विरूद्ध कार्रवाई: नौकरशाही में सनसनी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में सरकार चलाने का वहम पाल बैठे अफसरों में योगी आदित्यनाथ सरकार ने तब सनसनी फैला दी जब वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) मनोज सिंह को रिटायरमेंट से सात सप्ताह पहले पद से ना सिर्फ हटा दिया गया बल्कि बिना पोस्टिंग वेटिंग में डालकर शंट कर दिया गया। गलत काम करने वाले नौकरशाहों में हड़कंप है कि पता नहीं कब उनका नंबर आ जाए। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अफसर पता कर रहे हैं कि सर्विस के आखिरी मोड़ पर मनोज सिंह सरकार के निशाने पर कैसे आ गए। चर्चा है कि यूपी में एक नया कसाईखाना खोलने और दो पहले से चल रहे बूचड़खानों को बढ़ाने की मंजूरी देने के चक्कर में मनोज सिंह बलि चढ़ गए।

1989 बैच के आईएएस अफसर मनोज सिंह जून 2021 से वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग संभाल रहे थे। सरकार ने मनोज सिंह पर कार्रवाई के साथ ही उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दो सीनियर अफसरों को भी निलंबित किया है। नियमों और प्रक्रियाओं को दरकिनार कर तीन कसाईखानों को चालू करने और विस्तारित करने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के आरोप में दोनों अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है। प्रदूषण बोर्ड के सस्पेंड अधिकारियों में अनिल कुमार माथुर और विवेक राय शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश में जब से योगी आदित्यनाथ सरकार बनी है तब से कसाईखाना बहुत ही संवेदनशील मुद्दा रहा है क्योंकि सरकार मवेशियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती है। हिन्दुस्तान टाइम्स ने महत्वपूर्ण सरकारी दस्तावेज देखे हैं, जिससे संकेत मिलता है कि मनोज सिंह की एसीएस पद से अचानक विदाई के पीछे तीन कसाईखानों को मिली मंजूरी है। इनमें दो कसाईखाना उन्नाव जिले की एओवी एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और अल हक फूड्स कंपनी की है। तीसरा कसाईखाना गाजियाबाद का अल नासिर एक्सपोर्ट्स का है।

नौकरशाही में इस मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि बिना तय प्रक्रिया का पालन किए बूचड़खानों को मंजूरी देने की वजह से मुख्यमंत्री काफी नाराज थे। इन तीन कसाईखानों में एक नया बूचड़खाना बनने का प्रस्ताव था जबकि दो पहले से चल रहे कसाईखानों को और बड़ा करने की योजना थी।

ब्यूरोक्रेसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार ऐसे मामलों में सबसे पहले शहरी विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव या सचिव की अध्यक्षता वाली समिति को प्रस्ताव भेजा जाता है। समिति प्रस्तावों पर पशुपालन विभाग और जिला प्रशासन से राय मांगती है। लेकिन इन तीन कसाईखानों के मामले में ऐसा कोई प्रस्ताव समिति के पास भेजा ही नहीं गया। सूत्रों ने बताया कि अगस्त–सितंबर में इन कसाईखानों के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। योगी सरकार की नजर में यह मामला अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में आ गया था और तब से ही अंदर–अंदर हलचल मची थी।

एसीएस मनोज सिंह ने इन तीन कसाईखानों को मंजूरी को लेकर यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पर्यावरण अभियंता अनिल कुमार माथुर और मुख्य पर्यावरण पदाधिकारी विवेक राय से 14 अक्टूबर को स्पष्टीकरण भी मांगा था। ब्यूरोक्रेसी में इस मामले की खबर रखने वाले बताते हैं कि यह मनोज सिंह के द्वारा खुद को इस मामले से अलग दिखाने की कोशिश थी लेकिन उन्हें इसमें कामयाबी नहीं मिली। मनोज सिंह ने ये चिट्ठी तब लिखी जब उनसे चार दिन पहले 10 अक्टूबर को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कसाईखानों को मंजूरी में गड़बड़ी को पकड़ा था।

दूसरे जनपदों में भी फैला प्रतियोगी छात्रों का आन्दोलन

प्रयागराज (आभा)। पीसीएस और आरओ/एआरओ की प्रारंभिक परीक्षाएं एक से अधिक दिन और पालियों में कराने के खिलाफ हजारों छात्र उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के बाहर पिछले दो दिनों से डटे हुए हैं। अफसरों ने 12 घंटे के अंदर दूसरी बार आंदोलनकारी छात्रों को समझाने की कोशिश की लेकिन उनकी अपील का कोई असर नहीं हुआ। बुधवार को यूपी के दूसरे जिलों में भी छात्रों का आंदोलन फैल गया। इसके अलावा बृजभूषण शरण सिंह ने भी छात्रों के समर्थन में बयान दिया है। उनका कहना है कि सरकार को सहानुभूति पूर्वक छात्रों की मांग पर विचार करना चाहिए।

प्रयागराज में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के बाहर चल रहे छात्रों के धरने के दौरान एक हैरान कर देने वाला पोस्टर भी लगा है। जिस पर यूपीपीएससी अध्यक्ष संजय श्रीनेत को खोजने वालों को 50 रुपए का इनाम देने की बात लिखी है।

प्रयागराज के अलावा लखीमपुर खीरी और मेरठ समेत अन्य जिलों में भी छात्रों का विरोध प्रदर्शन बढ़ रहा है। मेरठ में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन निकाला। वहीं, लखीमपुर खीरी में भी छात्रों ने एक दिन में परीक्षा कराने की मांग को लेकर डीएम को ज्ञापन सौपा है।

चाइल्ड लाइन में हुई नियुक्तियों की होगी जांच

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। चाइल्ड लाइन में हुई नियुक्तियों में गड़बड़ी की शिकायत वहां पूर्व में कार्यरत रहे कर्मियों ने डीएम से की है। उनका कहना है कि डूडा की ओर से जिन लोगों का चयन चाइल्ड हेल्पलाइन में किया गया है, वह पूरी तरह से नियमानुसार नहीं है। इस मामले में प्रभारी डीपीओ व पीओ डूडा पर भी पूर्व कर्मियों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व के आदेश व निदेशक महिला कल्याण की ओर से इस संबंध में जारी पत्र की अनदेखी करने का आरोप शिकायतकर्ताओं ने लगाया है। इस बाबत डीएम रवीश गुप्ता ने कहा इस मामले की जांच कराई जाएगी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पूर्व में कार्यरत रहे कर्मियों को पहले से ही वहां की गतिविधियों के संबंध में जानकारी है, तथा यही उम्मीद थी कि उन्हें ही दोबारा काम करने का अवसर मिलेगा। जिम्मेदारों ने लंबे अनुभव को नजरअंदाज कर गलत तरीके से भर्ती कर ली गई है, जो विभाग के हित में नहीं है।

पूर्व में चाइल्ड लाइन में काम कर चुके अभिनव कुमार का कहना है कि डूडा कार्यालय में 24 सितम्बर को पूर्व कर्मचारियों को साक्षात्कार के लिए कार्यालय बुलाया गया। यहां पर उन लोगों पर दबाव बनाया गया और उनके आवेदन में परिवर्तन करा दिया गया। साक्षात्कार के समय भी उन लोगों के साथ धांधलेबाजी की गई। चयनित कर्मचारियों की शैक्षणिक योग्यता व अनुभव की जांच की जाए तो सारा पोल खुल सकता है। अभिनव का कहना है कि उच्च न्यायालय व निदेशालय की ओर से स्पष्ट कहा गया है कि इमरजेंसी सेवा में कार्यरत अनुभवी कर्मचारियों को चयन में वरीयता दी जाए।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि चाइल्ड लाइन में कर्मचारियों की भर्ती के लिए निदेशक महिला कल्याण की ओर से जो गाइड लाइन जारी की गई थी, उसमें सेवा प्रदाता का चयन जेम पोर्टल के माध्यम से किया जाना जाना था। इसकी सहायता से कर्मियों का चयन होना था। पीओ डूडा सुनीता सिंह के पास डीपीओ का भी प्रभार था। निदेशालय की गाइडलाइन की अनदेखी करते हुए डूडा की मदद से कर्मियों का चयन किया गया जो गलत है।

कृषक जागरूकता कार्यक्रम में वैज्ञानिक खेती के विस्तार पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र बंजरिया के नाना जी देशमुख सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में एक दिवसीय रबी उत्पादकता गोष्टी का कृषि विभाग द्वारा आयोजन किया गया। जिसमें जिलाधिकारी ने जनपद में खाद, दवा एवं बीज की उपलब्धता के बारे में बताया। उन्होंने कहा बीज एवं पौधों से खाद्यान्न का उत्पादन बढ़ाया जा सकता है तथा उच्च गुणवत्ता का अनाज तैयार होगा। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए सभी वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की प्रशंसा किया तथा जनपद के समस्त विभागों को समन्वय बनाकर कार्य करने की सलाह दी। जनपद के मुख्य विकास अधिकारी ने स्टालों का अवलोकन किया, साथ ही प्रसन्नता व्यक्त की। उप कृषि निदेशक अशोक कुमार गौतम ने कृषि विभाग की कार्य योजना एवं प्रगति के बारे में अवगत कराया।

केंद्राध्यक्ष डॉ. एस. एन. सिंह ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद देते हुए केंद्र की उपलब्धियो के बारे में अवगत कराते हुए काला नमक में उपस्थित पोषक तत्वों एवं जनपद में फैलाव की अपार संभावनाओं के बारे में प्रतिभागियों से विस्तार से चर्चा की। साथ ही साथ–साथ आम की रंगीन प्रजातियों एवं मशरूम उत्पादन के बारे में जानकारी दी। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. वी. बी. सिंह ने बीजोत्पादन तकनीक के बारे में चर्चा की।

प्रसार वैज्ञानिक आर. वी. सिंह ने कहा की वर्तमान में हमारी मृदा का स्वास्थ्य बिगड़ता चला जा रहा है, हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम अपनी मृदा का स्वास्थ्य बनाए रखें। पादप सुरक्षा वैज्ञानिक डॉ. प्रेम शंकर ने मृदा उपचार, बीजोपचार एवं उत्पादित उत्पाद की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए हमें प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती की ओर अपने आप को आकर्षित करना होगा, तभी हम अपनी मृदा का स्वास्थ्य एवं रसायन मुक्त उत्पाद ले सकते हैं।

केंद्र की ग्रह वैज्ञानिक डॉक्टर अंजलि वर्मा ने आए हुए प्रतिभागियों को अपने संबोधन में मूल्यवर्धित उत्पाद को कैसे तैयार करें एवं घर के अगल–बगल ताजी सब्जियां लेने हेतु किचन गार्डन लगाने पर जोर दिया। हरिओम मिश्र कृषि वैज्ञानिक एकीकृत फसल प्रबंधन के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, कृषि रक्षा अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एवं भारी संख्या में कृषक एवं कृषक महिलाए उपस्थित रहें।

जबरिया नाली जोड़वाने के मामले में न्याय की मांग: डीएम को दिया पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के महसो पूरब टोला निवासी दिनेश पाण्डेय के साथ ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को पत्र देकर कुदरहा में तैनात नायब तहसीलदार बीर बहादुर सिंह द्वारा स्थानीय पुलिस के माध्यम से जबरिया सड़क खुदवाकर व्यक्तिगत नाली से अपनी नाली जोड़वाने के मामले में उचित कार्यवाही कराकर पूर्व स्थिति बहाल करने की मांग किया है।

डीएम को सौंपे पत्र में कहा गया है कि आपसी सहमति से नाबदान का पानी अपना निजी पाइप डालकर बनवाया गया हैं और उसके थोड़ी दूर पर सरकारी नाली भी बना है। गांव के दुर्गेश पाण्डेय पुत्र सुभाष पाण्डेय व्यक्तिगत नाली से अपने नाली का पाइप जबरदस्ती मिला रहे हैं जिसमें नायब तहसीलदार कुदरहा बीर बहादुर सिंह तथा थानाध्यक्ष लालगंज मय पुलिस फोर्स लेकर जबरन सड़क खुदवा कर दिनेश पाण्डेय आदि के नाली से अपना नाली जोड़वा रहे हैं, जबकि दुर्गेश पाण्डेय के घर से कुछ दूरी पर सार्वजनिक नाली ग्राम प्रधान द्वारा बनवाया गया है जिसमें गांव के अन्य लोगों का पानी जाता है। पत्र में दिनेश पाण्डेय, मिथलेश पाण्डेय, विद्या पाण्डेय, अनिल पाण्डेय आदि ने कहा है कि नायब तहसीलदार ने अपने पद का दुरूपयोग करते हुए व्यक्तिगत रूचि लेकर बिना किसी आदेश के बिना सुने फोर्स बुलवा कर गत 11 नवम्बर को अपरान्ह दुर्गेश का नाली खोदवा कर पाइप डालने लगे, आपत्ति करने पर पुलिस बल के द्वारा उन लोगों को चौकी महसों पर बन्द कर दिया गया। जब नाली का पाइप पड़ गया उसके बाद चौकी की पुलिस ने छोड़ दिया। इसके पहले दुर्गेश की नाली का पानी उनके अपने निजी सोख्ते में आज भी गिर रहा है। ऐसी दशा में दुर्गेश के नाली के पाइप को व्यक्तिगत नाली में जोड़ने से रोका जाय।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 नवम्बर 2024 गुरूवार

सम्पादकीय

प्रतिष्ठा का उप चुनाव

भारतीय जनता पार्टी के नेता और खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजकल समाजवादी पार्टी को हिंदुत्व के नाम पर तो घेर ही रहे हैं इसके अलावा अखिलेश राज में फैली अराजकता, जंगलराज, उनके कार्यकाल में हुए दंगों की भी याद जनता को दिला रहे हैं। यह कहा जा सकता है कि अखिलेश को चौतरफा घेरने की तैयारी चल रही है।हरियाणा वाला जादू यूपी में चल गया तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिये आगे की सियासी राह मुश्किल हो जायेगी। उप चुनाव में बीजेपी और योगी की यह रणनीति सफल रही तो इसका उप चुनाव में तो पार्टी को फायदा होगा ही 2027 में होने वाले यूपी विधान सभा चुनाव के लिये भी इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। दरअसल, योगी और अन्य बीजेपी के नेता उप चुनाव को 2027 के चुनाव का रिहर्सल मानकर चल रहे हैं, उप चुनाव के नतीजे बीजेपी के पक्ष में आते हैं तो लोकसभा चुनाव से उत्साहित अखिलेश बैकफुट पर आ सकते हैं। उधर, बीजेपी का लोकसभा चुनाव के नतीजों का गम भी काफी कम हो जायेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर योगी अपनी रैलियों में लगातार सपा सरकार के समय के गुंडाराज, समाजवादी पार्टी के नेतृत्व व नेताओं की आपराधिक की परतें उधेड़ रहे हैं। वह अंबेडकरनगर की कटेहरी, मीरजापुर की मझवां और प्रयागराज की फूलपुर या अन्य विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित सभा में समाजवादी पार्टी को जहां अपराधी, दुष्कर्मी, माफिया का प्रोडक्शन हाउस बता रहे हैं, वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को इसका सीईओ और पार्टी महासचिव शिवपाल यादव को ट्रेनर करार दे रहे हैं।

सपा के पीडीए के नारे की अपने हिसाब से व्याख्या करते हुए योगी पीडीए का अर्थ है 'प्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी' बताते हैं। वह कहते हैं कि अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, खान मुबारक सपा के इसी प्रोडक्शन हाउस की उपज थे। इसी के साथ योगी बार—बार याद दिलाते हैं कि बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, इसलिए एकजुट रहिए।भाजपा प्रत्याशी धर्मराज निषाद के समर्थन में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री ने यहां तक कहा कि कांग्रेस—सपा वाले महापुरुषों का सम्मान नहीं करते हैं। एक साल पहले भाजपा 31 अक्टूबर को जब राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी तो सपा और उसके मुखिया भारत विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना की जयंती मना रहे थे। इन्हें जिन्ना प्यारा है, क्योंकि उसने भारत का विभाजन कराया था।

योगी बताते हैं कि एससी—एसटी पर सर्वाधिक अत्याचार सपा शासन के दौरान हुए। 2015—16 में इन लोगों ने एससी—एसटी के बच्चों की छात्रवृत्ति रोक दी थी, उसे भी हमने शुरू कराया। कांग्रेस व सपा का इंडी गठबंधन देश व समाज के लिए खतरनाक है, इसलिए हरियाणा में जनता ने उन्हें नहीं आने दिया और भाजपा की हैट्रिक लगाई। प्रयागराज के फूलपुर में भाजपा प्रत्याशी दीपक व मिर्जापुर के मझवां में शुचिस्मिता के समर्थन में आयोजित सभा में सपा को सीधे निशाने पर लिया। योगी की इसी मुखरता के कारण चुनाव प्रचार में भाजपा के स्टार प्रचारक व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मांग लगातार बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव में लगातार तीन दिनों तक नौ रैलियां करने के बाद योगी झारखंड के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। योगी झारखंड में चार रैलियां कर भाजपा के चुनाव प्रचार को धार देंगे। इससे पहले पांच नवंबर को भी उन्होंने झारखंड में कई रैलियां कर भाजपा के उम्मीदवारों का प्रचार किया था। मुख्यमंत्री की पहली जनसभा भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में होगी। भारतीय जनता पार्टी ने यहां से मनु प्रताप शाही को उम्मीदवार बनाया है। योगी इसके बाद पलामू जिले की हुसैनाबाद सीट से उम्मीदवार कमलेश कुमार सिंह के लिए वोट मांगेंगे। उनकी तीसरी व चौथी रैली भी पलामू में ही होगी। तीसरी रैली पांकी से शशिभूषण मेहता के लिए करेंगे। वहीं चौथी व आखिरी रैली डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र में होगी। यहां से भाजपा ने आलोक कुमार चौरसिया को उम्मीदवार बनाया है। योगी जहां भी चुनाव प्रचार के लिए जा रहे हैं वहां पर अपनी तेज—तर्रार शैली की छाप भी छोड़ रहे हैं। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि उत्तर प्रदेश में 9 सीटों के उप चुनाव में जनादेश किस रूप में सामने आता है। मुख्यमंत्री योगी जीत का इतिहास रचेंगे या मतदाता सपा को ताकत देंगे।

अनैतिक होती अवसरवादी राजनीति

—विश्वनाथ सचदेव—

पंद्रह लाख रुपये हर भारतीय की जेब में आने वाले वादे को जब देश के गृहमंत्री ने एक चुनावी जुमला बताया तभी देश को समझ लेना चाहिए था कि राजनेताओं के वादे—दावे भरमाने के लिए ही होते हैं। और यह कोई पहली बार नहीं था जब देश के किसी नेता ने इस तरह की स्वीकारोक्ति की थी। नेता चाहे किसी भी रंग की टोपी पहनने वाले हों, सब की कथनी एक—सी होती है। चुनाव—दर—चुनाव देश का मतदाता अपने नेताओं द्वारा भरमाया जाता है। कुछ ऐसा ही हाल नेताओं के नारों का भी है। हर चुनाव में नये—नये नारे सुनाई देते हैं, हर चुनाव में नये—नये नारों से नेता हमें भरमाने की कोशिश करते हैं।

ऐसा ही एक नारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने दिया है। खूब चल रहा है वह नारा। 'बटेंगे तो कटेंगे' के इस नारे को हरियाणा के चुनावों में बाजी पलटने वाला नारा बताया गया था। जब यह नारा पहली बार लगा तो किसी को यह शक नहीं था कि नारा लगाने वाला कहना क्या चाहता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के मुंह से ही 'अस्सी और बीस' वाली बात देश पहले सुन चुका था। और फिर अपने इस नये नारे के साथ ही 'पड़ोस के बांग्लादेश की हालत देख लो' जैसा वाक्य जोड़कर उन्होंने और भी स्पष्ट कर दिया था कि वे हिंदुओं को एकजुट होने का आह्वान कर रहे थे। सवाल हिंदुओं के बंटने का ही नहीं था, इस बात का भी था कि वे किस के खिलाफ एकजुट होने की बात कह रहे हैं। संकेत स्पष्ट था। हरियाणा में यह नारा खूब चला था, अब महाराष्ट्र, झारखंड के चुनावों और उत्तर प्रदेश समेत देश के कई राज्यों में होने वाले उपचुनावों में भी चुनावी सभाओं में यह नारा गूंज रहा है। हां, एक बदलाव जरूर आया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने हिंदुओं के बंटने वाली बात को पिछड़ी जातियों के बंटने से जोड़ दिया है। प्रधानमंत्री का कहना है कि 'वे लोग' यानी कांग्रेसी जातीय जनगणना करा कर पिछड़ी जातियों को बांटने की साजिश रच रहे हैं!

चुनाव—प्रसार में एक—दूसरे पर आरोप लगाना कोई नयी बात नहीं है। सब लगाते हैं इस तरह के नारे। कोई आरोप चिपक जाये तो तीर, वरना तुक्का ही सही! जिस तरह की आरोपबाजी, नारेबाजी चुनावों में होती है, वह हैरान कर देने वाली है। यह बात हमारे भारत तक ही सीमित नहीं है। हाल ही में अमेरिका में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में एक—दूसरे पर जिस तरह के आरोप लगाये गये वह परेशान करने वाली बात होनी चाहिए। अमेरिका तो दुनिया का सबसे बड़ा जनतंत्र होने का दावा करता है। और हमारा भी दावा है कि सबसे पुराना गणतंत्र है हमारा देश। जनतांत्रिक व्यवस्था में हमारा विरोधी प्रतिद्वंद्वी होता है, दुश्मन नहीं। ऐसे में अनर्गल आरोपों वाली राजनीति उन सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए जो अपने आप को जिम्मेदार नागरिक समझते हैं। आरोप लगाना गलत नहीं है। पर आरोप बेबुनियाद नहीं होने चाहिए। साथ ही मर्यादाओं का ध्यान रखा जाना भी जरूरी है। महाराष्ट्र के एक नेता ने राज्य का सबसे बड़ा नेता माने जाने वाले व्यक्ति के चेहरे को निशाना बनाने की घटिया हरकत की थी। अच्छा लगा यह देखकर कि कुछ नेताओं ने इस घटिया हरकत की आलोचना की और उस व्यक्ति ने अपनी करनी पर खेद व्यक्त किया। लेकिन सवाल उठता है यह नौबत क्यों आये?

बशीर बद्र का एक शे'र है, 'दुश्मनी जम कर करो, लेकिन यह गुंजाइश रहे फिर कभी हम दोस्त बन जायें तो शर्मिंदा न हों।' यह बात हमारे राजनेताओं को समझ क्यों नहीं आती? पिछले चुनाव में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने अपने तब के विरोधी पर भ्रष्टाचार का गंभीर आरोप लगाते हुए भरी सभा में कहा था कि वे उसे जेल भिजवा कर दम लेंगे। उन्होंने यह भी कहा था कि वह राजनेता जेल में 'चक्की पीसिंग, पीसिंग' करता रहेगा। आज वह पूर्व मुख्यमंत्री और उनके 'चक्की पीसिंग' वाले मंत्रीजी मंत्रिमंडल में साथ—साथ बैठते हैं! क्या वे दोनों भूल गये हैं कि उन्होंने एक—दूसरे के बारे में क्या—क्या कहा था? और यह 'सच' महाराष्ट्र के दो नेताओं का ही सच नहीं है कृ सारे देश में ऐसे अनेक—अनेक उदाहरण बिखरे पड़े हैं। अक्सर सोचता हूं कि ऐसे लोग जब 'फिर से दोस्त' बन जाते हैं तो एक—दूसरे से आंख कैसे मिलाते होंगे? क्या उन्हें सचमुच शर्म नहीं आती?

यह दुर्भाग्य ही की बात है कि आज हमारी राजनीति में इस तरह की शर्म के लिए कोई स्थान बचा नहीं दिख रहा। शर्म तो इस बात पर भी आनी चाहिए कि हमने राजनीति को पूरी तरह अनैतिक बना दिया है। मेरे एक वरिष्ठ पत्रकार मित्र से मैंने एक बार यह जानना चाहा था कि कौन—सा शब्द ठीक है, राजनीतिक या राजनैतिक? मेरे उस मित्र ने तत्काल जवाब दिया था, 'राजनीतिक ही सही हो सकता हैदृ राजनीति में नैतिकता होती ही कहां है?' फिर हम दोनों हंस पड़े थे। पर आज सोच रहा हूं यह बात हंसने की नहीं थी, दुखी होने की थी। पीड़ा होनी चाहिए थी हमें यह सोच कर कि हमारी राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान नहीं बचा।

सुनने में अच्छा लगता है यह नारा कि 'बटेंगे तो कटेंगे'। पर पूछा जाना जरूरी है कि क्या सोचकर यह नारा लगाया गया था? किसके बंटने की बात है और कौन किसे काटेगा? उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने यह नारा लगाते हुए बांग्लादेश का नाम लेकर यह स्पष्ट कर दिया था कि वे बहुसंख्यकों और अल्पसंख्यकों की बात कर रहे हैं। धर्म के आधार पर किसी को दुश्मन मान लेना, अपने लिए खतरा मान लेना, किसी भी सभ्य समाज के लिए उचित नहीं माना जा सकता। सवाल हिंदुओं के बंटने का नहीं है, जातियों के बंटने का भी नहीं है, सवाल यह है कि हम किसके लिए बंटने—बांटने की बात कर रहे हैं। इस देश का कोई भी नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म का मानने वाला हो, प्रथमतरू भारतीय है। हिंदुओं के एक होने की बात कहने का सीधा—सा मतलब गैर हिंदुओं के खिलाफ एकजुट होने की बात करना है। गलत है यह सोच। कोई भी व्यक्ति सिर्फ इसलिए बुरा नहीं हो सकता कि वह किसी धर्म—विशेष को मानता है। इसका विलोम भी इतना ही सही है। धर्म—विशेष का होने से कोई अच्छा नहीं हो जाता। अच्छा या बुरा होना हमारी करनी और सोच पर निर्भर करता है।

करनी ही नहीं, कथनी भी हमें अच्छा या बुरा बनाती है। यह बात हमारे नेताओं को भी समझनी होगी। जब तक हम देश के 140 करोड़ नागरिकों को भारतीय के रूप में नहीं स्वीकारेंगे, बंटने और कटने की भाषा बोलते रहेंगे, हम अपने आप को विवेकशील समाज का हिस्सा नहीं मान सकते। राजनीति में सब कुछ माफ वाली मानसिकता से उबरना होगा हमें। और यह मान कर भी बैठना गलत है कि राजनीति में नैतिकता के लिए कोई स्थान नहीं है। फिर, जो जितने ऊंचे पद पर बैठा है, उसका दायित्व उतना ही अधिक होता है। कब समझेंगे इस बात को हमारे नेता? कब बोलने से पहले तौलने की बात समझेंगे वे?

—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

गंगा को प्रदूषण मुक्त करने का यक्ष प्रश्न

— ललित गर्ग—

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है।

कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश—दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी—भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है। गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिसिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां—बोतले आदि जहरीला कचरा बड़ी मात्रा में सरकार की चेतावनियों के बावजूद मिल रहा है।

गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस—सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' में अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गईं हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। अधिकारियों की लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण गंगा का प्रदूषण है।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। इसी से यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान—पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

'नमामि गंगे' परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम चल है। एक और राहत की खबर जो उम्मीद की किरण बन कर सामने आयी है कि गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही है। सरकार के प्रयासों से गंगा के तटों का सौन्दर्यकरण भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। मोदी सरकार ने एक सराहनीय पहल करके स्वच्छ गंगा कोष की स्थापना की है, जिसमें स्थानीय नागरिक व भारतीय मूल के विदेशी व्यक्ति और संस्थाएं आर्थिक, तकनीकी व अन्य सहयोग कर सकते हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें मिली विभिन्न भेंटों व स्मृति चिह्नों की नीलामी से प्राप्त 16 करोड़ 53 लाख रुपये की राशि इसी कोष में दी है।

यह खबर आई थी कि सरकार 2022 तक गंगा नदी में गंदे नालों के पानी को गिराने से पूरी तरह रोक देगी और इस मसले पर एक मिशन की तरह काम चल रहा है। लेकिन ताजा स्थितियां एवं गंगा का प्रदूषण बताता है कि इस नदी के निर्मलीकरण के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं की उपलब्धि वास्तव में कितनी है? नीतियों और योजनाओं के बरक्स उन पर अमल की यह तस्वीर राजनीति इच्छाशक्ति एवं प्रशासनिक लापरवाही को ही दर्शाती है। अन्यथा क्या कारण है कि नदियों के प्रदूषण को दूर करने के क्रम में सबसे ज्यादा जोर गंगा को स्वच्छ बनाने पर ही दिया गया, मगर इसका हासिल आज भी संतोषजनक नहीं है। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये सरकार के साथ—साथ हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा। तभी सदियों से अविरल बह रही जीवनदायी गंगा की प्रतिष्ठा एवं पवित्रता भी फिर से स्थापित हो सकेगी। फिर एनजीटी को यह न कहना पड़ेगा कि फलां जगह का गंगाजल आचमन करने लायक नहीं रह गया है।

मिलावट पर कैसे लगे रोक

— निर्मल रानी—

कम से कम समय व लागत में अधिक से अधिक धन कमाने जैसी 'शार्ट कट ' मानवीय प्रवृति ने लगभग पूरे देश को संकट में डाल रखा है। भारतीय बाजार में नकली व मिलावटी सामानों की भरमार इसी प्रवृति का नतीजा है । परन्तु जब यही मिलावटखोरी या नकली सामग्री का इस्तेमाल खाद्य सामग्रियों में होने लगता है तो निःसंदेह यह सीधे तौर पर इंसान की जान से खिलवाड़ करने या धीमा जहर देने के सिवा और कुछ नहीं। पूरा देश इस बात से भली भांति वाकिफ है कि हमारे देश में दूध का जितना उत्पादन होता है उससे कई गुना ज्यादा दूध व दूध से बनी जरूरी सामग्री की खपत होती है। यह दूध आखिर कहाँ से आता है? सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में ऐसी अनगिनत वी डी ओ वायरल हो चुकी हैं जिनमें नकली व जहरीला दूध बनते देखा जा सकता है। नकली व मिलावटी देसी घी,खोया सब कुछ देश में बन रहा है व बेचा जा रहा है। असली नकली का भेद न कर पाने वाली आम जनता उसी धीमे जहर को खाने पीने के लिये मजबूर है। और इन्हीं या इनसे बनी अनेक खाद्य सामग्रियों का सेवन कर तरह तरह की बीमारियों का शिकार हो रही है।

अब तो हद यह हो गयी है कि पिछले दिनों देश की राजधानी दिल्ली, गाजियाबाद,मोदीनगर और हरियाणा के जींद से अमूल जैसे लोकप्रिय देसी घी सहित कई अन्य कम्पनीज के ब्रांड के नाम पर बनने वाला नकली घी पकड़ा गया। जहरीली खाद्य सामग्री का व्यवसाय करने वाले यह लोग टेट्रा पैक पर अमूल घी, मधुसूदन घी, मदर डेयरी घी, पतंजलि गाय घी, वर्का घी, नेस्ले एवरीडे घी, आनंद घी, परम देसी घी, मिल्कफूड देसी घी, मधु घी, लक्ष्य घी और श्वेता घी जैसी कम्पनीज के नकली ब्रांड पैक इस्तेमाल करते थे। और इन्हीं अलग अलग कंपनी के ब्रांड नाम से तैयार किया जा रहा देसी घी बनाकर बाजार में बेच रहे थे। केवल हरियाणा के जींद में जो देसी घी बनाने वाली फैक्टरी पकड़ी गई है वहां 2500 लीटर नकली घी का कच्चा माल बरामद हुआ। पुलिस ने इस मिलावटी नेटवर्क को चलाने में रितिक खंडेलवाल,मथुरा,संजय बंसल, शाहदरा, दिल्ली,रोहित अग्रवाल,मोदीनगर, गाजियाबाद,कृष्ण गोयल,जींद, नरेश सिंघला व अश्वनी उर्फ आशु,जींद को आरोपी बनाया है। नकली जहरीला घी खाने का अर्थ कैंसर को दावत देना होता है। वैसे तो देसी घी में प्रायः आलू, शकरकंद जैसे स्टार्च की मिलावटी की जाती है। लेकिन कई बार इसमें कोल टार डाई या अन्य खतरनाक रसायनों को भी मिला दिये जाते हैं जिसके कारण फूड पॉइजनिंग , एलर्जी जैसी परेशानियों से लेकर कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी तक भी हो सकती है।

खबरों के अनुसार गत 12 नवंबर (मंगलवार) को केवल दिल्ली में एक ही दिन में 50 हजार शादियां हुईं। जरा सोचिये कि हर शादी में दूध घी पनीर खोया मिठाई आदि की कितनी खपत हुई होगी। इसी तरह पूरे देश के विवाह आयोजनों व अन्य समारोहों में आप जब जहाँ और जितना भी घी, दूध,दही मक्खन,खोया, पनीर आदि जो भी चाहें आप को मिल जायेगा। सवाल यह है कि जब सरकार व प्रशासन भी इस जालसाजी व मिलावटखोरी की खबरों व इसके नेटवर्क से वाकिफ है और इसे रोकने के लिये पर्याप्त कानून भी बने हैं उसके बावजूद मिलावटखोरी का यह सिलसिला दशकों से क्यों चला आ रहा है ? कुछ लोगों की अधिक धन कमाने की शॉर्टकट वाली प्रवृति ने आखिर पूरे देश को धीमा जहर खाने के लिये क्यों मजबूर कर दिया है। क्यों जहर के इन व्यवसायियों के हौसले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। यह जानने के लिये पड़ोसी चीन की एक घटना का उल्लेख करना जरूरी है। कुछ वर्ष पूर्व चीन में अपराधी मानसिकता के ऐसे ही दो लोगों द्वारा नकली दूध बनाने का धंधा शुरू किया गया। कुछ दिनों में ही यह नकली दूध जांच के दायरे में आ गया। जब यह नेटवर्क ध्वस्त हुआ तो वहां की सरकार ने इन दोनों ही अपराधियों को सजा—ए—मौत दे दी। तब से आजतक वहां नकली दूध के किसी दूसरे नेटवर्क ने अपना सिर बुलंद नहीं किया।

पशु तस्करों से पुलिस की मुठभेड़, एक बदमाश को लगी गोली, दो गिरफ्तार

संवाददाता–कुशीनगर। पशु तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हुई है। इसमें एक बदमाश को पैर में गोली लग गई है। एनकाउंटर के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया। घायल पशु तस्कर को इलाज के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तस्करों के कब्जे से छह प्रतिबंधित पशुओं को मुक्त कराया गया है। कुशीनगर के तमकुहीराज थाना क्षेत्र में लतवापट्टी नहर के पास गाडियों की चेकिंग कर रही पुलिस टीम की पशु तस्करों से मुठभेड़ हुई। पुलिस ने बदमाशों के पास से दो तमंचे, छह जिंदा और चार खोखा कारतूस के अलावा 27 सौ रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि तमकुहीराज क्षेत्र से कुछ शातिर पशु तस्कर पिकअप वाहन से सीमावर्ती क्षेत्रों के रास्ते प्रतिबंधित पशुओं को चोरी छिपे लादकर बिहार ले जा रहे हैं। एसपी ने तत्काल योजना बनाते हुए पुलिस टीमों का गठन कर चेकिंग के निर्देश दिए। तमकुहीराज, तरयासुजान, पटहेरवा और साइबर थाने की संयुक्त पुलिस टीम इसी क्रम में बुधवार को सुबह तमकुहीराज क्षेत्रान्तर्गत लतवा चट्टी नहर के पास घेराबंदी कर चेकिंग कर रही थी।

पुलिस के मुताबिक चेकिंग के दौरान एक पिकअप वाहन आते दिखाई दिया। जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो वाहन में सवार कुछ व्यक्तियों द्वारा लक्ष्य साधकर पुलिस टीम पर जान मारने की नीयत से फायर किया गया। जवाबी प्रतिरक्षा में पुलिस टीम द्वारा फायरिंग की गयी तो एक व्यक्ति घायल हो गया। उसकी पहचान मुन्ना मियां पुत्र हमीद मियां निवासी मुफरी टोला थाना गोपालगंज जनपद गोपालगंज राज्य बिहार के रुप में हुई। इस दौरान उसका एक साथी गुड्डू यादव पुत्र राजेंद्र यादव निवासी सेमरा हरदो माफी टोला थाना कुबेरस्थान जनपद कुशीनगर पैदल भागने का प्रयास कर रहा था। पुलिस टीम द्वारा काम्बिंग के दौरान उसे भी गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से 6 प्रतिबंधित पशु, लकड़ी का ठीहा, रस्सी, दो अवैध तंमचा व 6 जिन्दा व 4 खोखा कारतूस बरामद किया गया है। घायल तस्कर को पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजा गया है। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार तमकुहीराज थाने में केस दर्ज किया गया है। पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि तस्करों का यह संगठित गिरोह है जो सीमावर्ती क्षेत्रों के रास्ते गोवंशीय पशुओं को वाहनों में क्रूरता पूर्वक लादकर बिहार आदि राज्यों में ले जाकर गो–तस्करी करता है। इस गैंग के खिलाफ बिहार, जनपद कुशीनगर व आसपास के जनपदों में भी मुकदमे पंजीकृत हैं। इसकी डिटेल जुटाई जा रही है। तमकुही राज के प्रभारी निरीक्षक अमित शर्मा, साईबर थाने के प्रभारी निरीक्षक मनोज पंत, तरया सुजान के प्रभारी निरीक्षक राजप्रकाश सिंह तथा पटहेरवा थानेदार दीपक सिंह के साथ इन सभी थानों की पुलिस मुठभेड़ में शामिल रहे।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य के घर में घुसकर हत्या दस लाख से ज्यादा के जेवर–नगदी लूट ले गए

संवाददाता–बलरामपुर। पूर्व जिला पंचायत सदस्य की घर में घुसकर हत्या करने के बाद दस लाख से ज्यादा के जेवर और नगदी लूट ली गई है। माना जा रहा है कि चोरी की नीयत से घुसे बदमाशों ने बुजुर्ग के जगन पर तकिए से मुंह दबाकर हत्या कर दी। सात लाख रुपए के जेवरात व तीन लाख रुपए नकदी बदमाशों ने पार कर दिया। घटना स्थानीय थाना क्षेत्र अन्तर्गत सुदर्शनजोत के मजरे निबोरिया में मंगलवार मध्यरात्रि हुई है। बदमाशों को पकड़ने के लिए एसपी ने पांच टीमें लगाई हैं। फोरेंसिक टीम ने अल्मारी, तकिए व अन्य स्थानों से बदमाशों के फिंगर प्रिंट उतारे हैं। डीआईजी व एसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारियों ने घटना स्थल का जायजा लिया है।

सुदर्शनजोत गांव का मजरा है निबोरिया। दशरथ सिंह यहां के प्रध ाान रह चुके हैं। वह मंगलवार रात 14 वर्षीय पोते कृतिक के साथ ड्राइंग रूम में सोए थे। उनकी पत्नी पूर्व जिला पंचायत सदस्य 70 वर्षीय सरोज सिंह दूसरे कमरे में सोयी थी। पुत्र अखिलेश बहादुर सिंह पत्नी के साथ दूसरे मंजिले पर कमरे में सोए थे। लघुशंका लगने पर दशरथ सिंह की नींद रात लगभग एक बजे टूटी। कमरे से निकलना चाहा तो बाहर से दरवाजा बंद मिला। दरवाजे की कुंडी खराब है।

किसी ने कपड़ा बांधकर दरवाजा लॉक कर दिया था। यह बात उन्होंने पोते कृतिक से बताई। कृतिक का हाथ पतला सो उसे कपड़ा खोलने में कामयाबी मिल गई। यह कपड़ा दशरथ सिंह का अगौछा था जो बरामदे में सूखने के लिए डाला गया था। पत्नी सरोज के कमरे में पहुंचे तो देखा कि वह बिस्तर पर पड़ी थीं। सरोज सिंह की मौत हो चुकी थी। कमरे के सामान बिखरे पड़े थे। अल्मारी का लॉक खुला था।

उन्होंने अपने बेटे अखिलेश बहादुर सिंह उर्फ मुन्ना को घटना की जानकारी दी। बदमाशों ने मुन्ना के कमरे का भी दरवाजा बाहर से बंद कर रखा था। अल्मारी खोलकर देखा तो उसमें रखे सात लाख रुपए के जेवरात, तीन लाख रुपए नकद व रिवाल्वर गायब था। घटना की जानकारी डायल 112 पुलिस को दी गई। आस पास के लोगों को जानकारी हुई तो वे दशरथ सिंह के घर पहुंच गए।

रात में ही पुलिस अधीक्षक विकास कुमार, एएसपी नम्रिता श्रीवास्तव, सीओ ज्योतिश्री, महराजगंज तराई के प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार पाण्डेय, एसएचओ ललिया व हरैया के प्रभारी निरीक्षक हमराहियों के साथ निबोरिया पहुंच गए। अधिकारियों ने कमरे को लॉक करवा दिया। मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। जांच में पाया गया कि बदमाश दीवार फांदकर दशरथ सिंह के आवासीय परिसर में घुसे थे। वहां एक सीढ़ी रखी थी, जिसके सहारे बदमाश छत पर चढ़कर आंगन में उतरे थे। नीचे चार कमरे बने हैं। एक को छोड़ बदमाशों ने तीन कमरे को बाहर से बंद कर दिया था। सरोज का कमरा पहले से ही खुला था। संभावना जताई जा रही है कि घटना को अंजाम देने के बीच उनकी नींद टूट गई होगी। इसी नाते से बदमाशों ने उनका मुंह तकिए से दबाकर हत्या कर दी। सरोज सिंह के शरीर पर कहीं भी चोट के निशान नहीं हैं। मुंह से खून निकल रहा था। मौके का देवीपाटन मंडल परिक्षेत्र के डीआईजी जेपी सिंह ने भी जायजा लिया है। उन्होंने अतिशीघ्र घटना के राजफास का निर्देश एसपी को दिया है।

मौके पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने तकिए के कवर से बदमाशों के फिंगर प्रिंट उतारे हैं। अल्मारी के लॉकर से भी बदमाशों के अंगुलियों के निशान उतारे गए हैं। सभी दरवाजों की कुंडियों पर भी वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाया गया है। बाहर पड़ी सीढ़ी से भी फिंगर प्रिंट लिया गया है। फोरेंसिक टीम लगभग दो घंटे तक जांच करती रही। बताया जाता है कि कमरे में किसी पुरुष के सिर के बाल मिले हैं। परिजनों को संदेह है कि सरोज सिंह ने बदमाशों का डटकर मुकाबला किया है। जान बचाने के लिए उन्होंने मुंह को तकिए से दबाने वाले बदमाश के बाल नोच लिए, जो कमरे में पाए गए हैं।

घटना को अंजाम दिलाने में मुखविर की सक्रिय भूमिका सामने आई है। इसमें किसी करीबी का भी हाथ हो सकता है। अखिलेश बहादुर सिंह बताते हैं कि घर का सारा रुपया उनकी मां के पास ही रहता था। जेवरात भी उसी कमरे में रखे थे। कभी सपने में भी नहीं सोंचा था कि उनके घर डकैती पड़ेगी। सरोज सिंह कमरे का दरवाजा बंद करके नहीं सोती थीं। इस बात की जानकारी बहुत कम लोगों को थी। घटना के पहले दशरथ सिंह के घर की रेकी कराई गई है। परिसर में सीढ़ी का पड़ा होना नीचे कमरों की संख्या और कौन–कौन लोग रहते हैं इसकी जानकारी भी मुखविर ने बदमाशों को दी होगी। पुलिस अधीक्षक ने ऐसे करीबियों की सूची तैयार कराई है जिनका अखिलेश के घर के भीतर आना–जाना था। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की भी बात कही जा रही है।

अल्मारी से गायब रिवाल्वर का खेत में मिलना भी आश्चर्यजनक है। बदमाश अल्मारी में रखा प्वाइंट 32 बोर का जो रिवाल्वर अपने साथ ले गए थे वह दोपहर में गांव से थोड़ी दूर खेत में पाया गया है। सरोज सिंह के सिराहने 12 बोर की बंदूक रखी थी, जिसे बदमाशों ने हाथ तक नहीं लगाया। अखिलेश बहादुर सिंह अपने कमरे में राइफल रखते हैं। निबोरिया एक ऐसा गांव है जहां लगभग 50 लोगों के पास लाइसेंसी असलहा है। बदमाशों को इस बात की जानकारी थी। इसी नाते से उन्होंने चीखने चिल्लाने से पहले ही सरोज सिंह की हत्या कर दी।

डेढ़ करोड़ की लागत से बनने वाली भोजशाला का भूमिपूजन आज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या ।डेढ़ करोड़ की लागत से बनेगा श्री गुरू वसिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ अयोध्या की 200 बच्चों की क्षमता का अत्याधुनिक भोजन शाला, ट्रस्ट के पदाधिकारी 14 नवंबर को संतो की उपस्थिति में करेंगे भूमि पूजन। श्री गुरु वशिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ वेद पाठशाला दर्शननगर परिसर में डेढ़ करोड़ की लागत से 2500 स्क्वायर मीटर में 200 बटुको के बैठकर भोजन करने की क्षमता का अत्याधुनिक भोजनशाला का निर्माण शुरू होगा ।,उक्त जानकारी देते हुए गुरुकुल के निदेशक डॉ दिलीप सिंह ने बताया कि कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तिथि तदनुसार 14 नवंबर को प्रातः 10 बजे गुरू वसिष्ठ गुरुकुल विद्यापीठ वेद पाठशाला के संस्थापक संरक्षक श्री राम वल्लभाकुंज अधिकारी राजकुमार दास, मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास उपस्थिति में गुरुकुल विद्यापीठ के अध्यक्ष महाराजा गंगा सिंह विश्व विद्यालय बीकानेर राजस्थान के कुलपति आचार्य मनोज दीक्षित ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ भूमि पूजन,शिलान्यास करेंगे। भोजनशाला के साथ 11 लाख की लागत से बनने वाले 21 गुणें 21 वर्ग मीटर की यज्ञशाला का लाल राजस्थानी पत्थर से निर्माण कार्य भी आज से प्रारंभ होगा , निदेशक ने बताया भोजनशाला का निर्माण कार्य एक सामाजिक संस्था के सहयोग से होगा।

कार्यालय ग्राम पंचायत रामपुर बल्डिहा, विकास खण्ड घुघली जनपद- महराजगंज

अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत रामपुर बल्डिहा द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना / पन्द्रहवा वित्त पंचम राज्य वित्त आयोग / स्वच्छ भारत मिशन/ एस०एल० डब्ल्यू०एम०/ सांसद / विधायक/एम.एल. सी. निधि के अन्तर्गत वर्ष 2024–25 में स्वीकृत योजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों में प्रयोग हेतु सामग्री आपूर्ति हेतु (प्रथम श्रेणी ईट सीमेण्ट सादा बालू, मोरण ईंट की गिट्टी पत्थर की मिटटी छड़ पेंट साइनबोर्ड, ह्यूम पाइप स्ट्रीट लाईट सफाई सामग्री ठेला कुढ़ापात्र प्लास्टिक बैंक, ई–रिक्शा साइकिल रिपशा स्वच्छता किट, इन्सीनरेटर आदि एवं अन्य सरकारी निर्माण में प्रयुका सामग्री आदि की अवश्यकता है। इस निमित निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांकः–16.11.24 को 12:00 बजे तक आपूर्ति हेतु अपनी निविदा फार्म रूपया 50.00 रू० स्टाम्प पेपर तथा बाछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय / स्थान ग्राम पंचायत रामपुर बल्डिहा में रखे निविदा बाक्स में डाला जाएगा। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02.00 बजे निविदाताओं के समक्ष खोला जाएगा।

नियम व शर्तेः–

1. अधिकृत फर्म / अधिकृत डीलर का जी०एस०टी० रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है 3 वर्ष का आयकर क्लियरेंश संलग्न करना अनिवार्य है।
2. जी०एस०टी० तथा कार्टेज चार्ज जोड़कर ही दरें प्रस्तुत की जाया।
3. आपूर्तिकर्ता को आपूर्ति पर 226 प्रतिशत आयकर / टीडीएस देना होगा।
4. प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत से अधिक मान्य नहीं होगी। पी०डब्लू०डी० के समयानुसार तय दर पर ही भुगतान की जाएगा।
5 ग्राम पंचायत सचिव / ग्राम प्रधान / अवर अभियन्ता के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जाएगी।
6. धरोहर की धनराशि मु० 5000.00 (पांच हजार) है।
7. धरोहर की राशि राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफडीआर / एनएससी एवं डाक घर के बचत पत्र जो सचिव ग्राम पंचायत रामपुर बल्डिहा के नाम बंधक हो की मूल प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
8. निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त सचिव ग्राम पंचायत द्वारा आदेश देने पर ही सामग्री की आपूर्ति की जाएगी।
9. आदेश देने के सात दिनों के अन्दर सामग्री सामग्री आपूर्ति न कराने की दशा में धरोहर की धनराशि जप्त कर ली जाएगी।
10. सामग्री की आपूर्ति स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर करनी होगी।
11 सामग्री की मात्रा कार्य के अनुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
12. आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता (ग्रा० अभि०वि०) / तक० सहायक द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जाएगा। गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर भुगतान नहीं की जायेगा।
13. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र 100.00 रुपये है, पर ही स्थाकार किया जायेगा
14. निविदा फार्म किसी भी कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किया जा सकता है।
15. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सचिव ग्राम पंचायत के पास होगा।
16. निविदा के सम्बन्ध में अन्य जानकारी सचिव ग्राम पंचायत रामपुर बल्डिहा से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

फूलकुमारी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत– रामपुर बल्डिहा

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत– रामपुर बल्डिहा
वि0ख0–घुघली
जनपद–महराजगंज

प्रत्राक–मेमो ग्राम पंचायत– रामपुर बल्डिहा वि0ख0–घुघली जनपद–महराजगंज

सरयू को समर्पित हुई 151 मीटर की चुनरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। बड़ा भक्तमाल मंदिर के संस्थापक आचार्य महंत राम शरण दास महाराज के 49 वें वार्षिकोत्सव पर चल रहे नौ दिवसीय महोत्सव में बड़े महाराज महंत कौशल किशोर दास के नेतृत्व में मंदिर के वर्तमान महंत स्वामी अवधेश कुमार दास के संयोजन में मां सरयू को चढ़ाई गई 151 मीटर की चुनरी। बड़े भक्तमाल मंदिर से ढोल नगाड़ों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें सैकड़ो की संख्या में अयोध्या के संत महंत एवं आश्रम से जुड़े भक्ति श्रद्धालु सम्मिलित हुए यह महोत्सव प्रत्येक वर्ष बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है जिसमें देश के कोने–कोने से लोग अपनी उपस्थिति दर्ज करते हैं। आश्रम से निकलकर शोभायात्रा मां सरयू के तट आरती घाट पहुंची जहां मां सरयू का पूजन किया गया दुग्धाभिषेक किया गया और पूजन अभिषेक की उपरांत मां सरयू को चुनरी समर्पित की गई। महंत अवध ेश कुमार दास महाराज ने बताया कि प्रत्येक वर्ष बड़े भक्तमाल महाराज की पुण्यतिथि पर मंदिर परिसर में नौ दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन होता है जिसमें श्री राम कथा जगतगुरु रामानुजाचार्य डॉ स्वामी राघवाचार्य महाराज द्वारा कहीं जा रही थी जो आज संपन्न हुई। मां सरयू को पूजन अर्चन और दुग्धाभिषेक के बाद 151 मीटर की चुनरी चढ़ाई गई और मंदिर को फूल बंगले से सजाया गया ठाकुर जी फूल बंगले में विराजमान हुए उनको छप्पन भोग लगाया गया और प्रसाद भक्तों में वितरण किया गया। इस महोत्सव में बड़ेभक्तमाल परिवार से जुड़े देश–विदेश से लोग पहुंचते हैं और उत्साह पूर्वक कार्यक्रम में सम्मिलित होते हैं। इस अवसर पर संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास, महंत वैदेही वल्लभ शरण, तुलसीदास छावनी के महंत जनार्दन दास, हनुमानगढ़ी के वरिष्ठपुजारी हेमंत दास, मोतिहारी मंदिर के महंत रामप्रवेश दास, नागाराम लखन दास, कृष्ण दास सहित दर्जनों संत महंत सम्मिलित हुए मां सरयू का पूजन और अर्चन दुग्धाभिषेक कर चुनरी चढ़ाई।

सीबीआई ने रेलवे इंजीनियर को 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा

संवाददाता–गोण्डा। पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा सेक्शन में बुधवार को केंद्रीय अन्वेंषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अचानक छापा मारा। इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट में घोटाले के आरोपों की शिकायत पर सीबीआई लखनऊ की एंटी करप्शन विंग ने अचानक दस्तक दी। सीबीआई अफसरों ने गोंडा में तैनात रेलवे इंजीनियर को 50 हजार रुपये की रकम बतौर रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है साथ ही ट्रैक जांच मशीन को जब्त किया है। बुधवार को करीब पौने 12 बजे लखनऊ की सीबीआई की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई गोंडा रेलवे स्टेशन परिसर के निकट उपमंडलीय रेलवे अस्पताल के पास पहुंची। थोड़ी दूर पर स्थित इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के ट्रैक डिपो में सीबीआई टीम ने पहुंचकर जाल बिछाया। इस दौरान सीनियर सेक्शन इंजीनियर (रेल पथ) अरुण कुमार मिश्रा को सीबीआई ने 50 हजार रुपए घूस लेते पकड़ा है। एक ठेकेदार से सामानों की लोडिंग और अनलोडिंग के नाम पर रुपए मांगने का आरोप है। छापे की कार्रवाई से रेलवे में हड़कंप मचा हुआ है। रेल अधिकारी कुछ भी बोलने से कतरा रहे हैं।

रेलवे ट्रैक से जुड़ी सामग्री खरीद मामले की जानकारी भी ली। इसके साथ ही सीनियर सेक्शन इंजीनियर अरुण कुमार मिश्रा से सीबीआई टीम ने पूछताछ की। सवालों का जवाब गोलमाल देने पर सीनियर सेक्शन इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया गया है। खरीद प्रक्रिया से जुड़ी अन्य पत्रावलियों को कब्जे में लिया। इसके साथ ही खरीद की ट्रैक जांच मशीन को भी कब्जे में ले लिया। सीबीआई ने करीब दो घंटे तक इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट को खंगाला। इस दौरान पूरे रेलवे स्टेशन पर खलबली मची रही।

केएमसी मेडिकल कालेज के नए डीन बने सर्जन प्रो. संकल्प

संवाददाता– महराजगंज। जिले में पीपीपी मोड में संचालित केएमसी मेडिकल कालेज एंड हास्पिटल के नए डीन प्रसिद्ध सर्जन व चिकित्सा शिक्षा में राष्ट्रीय अवार्डों से सम्मानित प्रो. डॉ. संकल्प द्विवेदी बने हैं। बुध ावार को कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने डॉक्टरों व प्रशासनिक स्टाफ के साथ बैठक ली। कहा कि चिकित्सा में नवाचार के साथ चुनौतियों पर चर्चा कर बेहतर काम किया जाएगा। बेहतर शिक्षण के साथ बेहतर से बेहतर इलाज मुहैया कराना प्राथमिकता होगी।

केएमसी हास्पिटल 2017 से अपनी सेवाएं दे रहा है। इसी साल मेडिकल कालेज शुरू हुआ है और पहले बैच में 150 एमबीबीएस के छात्र–छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि संस्था का प्रयास रहेगा कि चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने की पूरी कोशिश हो रही है। यहां जनरल मेडिसिन, जनरल सर्जरी, ऑर्थोपेडिक, गाइनेकोलॉजिस्ट, ऑर्थोपेडिक, गैस्ट्रो, न्यूरो, यूरो, कैंसर, ईएनटी, साइकेट्री, पीडियाट्रिक आदि विभागों सहित सभी विभागों में देश के जाने–माने योग्य और अनुभवी चिकित्सक तैनात हैं।उनकी पूरी कोशिश होगी कि अपनी इस टीम के साथ बेहतर चिकित्सा प्रदान करने और उच्च चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में संस्थान को एक अलग ऊंचाई पर ले जा सकें। चेयरमैन विनय श्रीवास्तव की दूरदर्शिता को अमली जामा पहनाने की पूरी कोशिश होगी। अस्पताल के रोगियों को कहीं अन्यत्र जाने की जरूरत नहीं होगी और राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सेवाएं दी जाएंगी। इस अवसर पर संस्थान के सीईओ डॉ. एसएम रफीक ने सभी आगंतुकों का आभार जताया।

डबल डेकर बस पलटी

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा–लखनऊ हाइवे पर कटरा शहबाजपुर रेलवे क्रॉसिंग के समीप बुधवार सुबह अनियंत्रित होकर डबल डेकर बस पलटने से चीख–पुकार मच गई। इस दौरान ग्रामीणों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में 6 यात्री जख्मी हो गये, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायलों को गोंडा मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

करुणानिधान भवन सभी मंदिरों में संपन्न हुआ शालिग्राम माता तुलसी का विवाह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। वैष्णो नगरी अयोध्या भगवान विष्णु के रूप में मंदिरों में स्थापित शालिग्राम भगवान और माता तुलसी का विवाह कराया गया जिसमें संतो महंतों ने भाग लिया कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की देवत्थानी एकादशी तिथि को भगवान विष्णु के शालिग्राम अवतार और माता तुलसी का विवाह किया जाता है। वैष्णो नगरी अयोध्या में के दर्जनों मंदिरों में यह उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, तुलसी और शालिग्राम भगवान का विवाह संपन्न होता है। अयोध्या के कनक भवन, करुणानिधान भवन, लव कुश मंदिर, सियाराम किला झुंकी घाट, तुलसी चौरा सहित अयोध्या के लगभग सभी मंदिरों में शालिग्राम भगवान और माता तुलसी का विवाह संपन्न हुआ।

करुणानिधान भवन में मंगलवार को सुबह से ही विवाह की तैयारियां चल रही थी रात्रि में विद्वत

आचार्य द्वारा पूजन अर्चन करके भगवान शालिग्राम माता तुलसी का विवाह मंदिर के महंत राम जी दास महाराज के संयोजन में संपन्न कराया गया।करुणा निधान भवन के अधिकारी राम नारायण दास महाराज ने बताया कि मंदिर के आंगन में वैदिक विद विधान के अनुसार गान्ने का मंडप बनाया गया शालिग्राम भगवान को दूल्हे की रूप में सजाया गया सिर पर मौर लगाया गया। वहीं पर पक्ष के लोग माता तुलसी को दुल्हन के रूप में सजा करके मंडप में लाया गया और विधि विधान से विवाह को संपन्न कराया गया। उन्होंने बताया कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष देव देवत्थानी एकादशी को प्रत्येक वर्ष मंदिर परिसर में विवाह संपन्न कराया जाता है इस वर्ष भी शुभ घड़ी में देर रात्रि तक विवाह संपन्न हुआ इस उत्सव में देश के कोने–कोने से आए हजारों की संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए।

लव कुश मंदिर में ठाकुर जी को लगाया गया 56 भोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। रामनगरी के मठ–मंदिरों में शालिग्राम तुलसी माता के विवाह के उपरांत कार्तिक मास की द्वादशी तिथि को कलेवा का आयोजन किया गया जिसने ठाकुर जी को छप्पन प्रकार के व्यंजनों से भोग लगाया गया। बुधवार को रामकोट स्थित सिद्ध पीठ लव कुश मंदिर में महंत राम केवल दास जी महाराज के संयोजन में ठाकुर जी को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया और प्रसाद को श्रद्धालुओं में वितरित किया गया। लव कुश मंदिर के महंत राम केवल दास महाराज ने बताया कि तुलसी विवाह पर गाजे–बाजे के साथ भव्य बारात निकाली। जो रंगवाटिका बैरियर, कनक भवन, दशरथ महल होते हुए पुनरू अपने गंतव्य को पहुंची। उसके बाद मंदिर में बने मंडप पर तुलसी, शालिग्राम का विवाह रीति–रिवाज और पूर्वक कराया गया। उत्सव से पूरा मंदिर परिसर आह्लादित नजर आया। सायंकाल से शुरू हुए विवाहोत्सव का कार्यभार भोर तक चला। वर पक्ष की तरफ से स्वयं लवकुश मंदिर के महंत रामकेवल दास महाराज और कन्या पक्ष से भक्त विजय कुमार श्रीवास्तव गोरखपुर मौजूद रहे। महंत रामकेवल दास ने कहा कि प्रति वर्षो की भांति इस वर्ष भी परम्परागत रूप तुलसी विवाह ध ूमधाम से मनाया जाता है और द्वादशी तिथि को कलेवा का आयोजन होता है जिसमें ठाकुर जी को छप्पन भोग लगाया जाता है। इस अवसर पर रामदास सहित सैकड़ो की संख्या में भक्त श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीएमओ के फर्जी हस्ताक्षर से 13 फार्मासिस्टों की नियुक्ति

संवाददाता—गोरखपुर। सीएमओ कार्यालय से अलग—अलग तीन तारीखों में फर्जी नियुक्ति पत्र जारी कर जालसाजों ने 13 फॉर्मासिस्टों की तैनाती जिले के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में कर दी। मंगलवार को इनकी ज्वाइनिंग होनी थी, लेकिन इससे पहले ही मामले की जानकारी किसी ने सीएमओ तक पहुंचा दी। आनन—फानन में नियुक्ति पत्रों की जांच कराई गई तो सब पर फर्जी मिले। इसके बाद एडिशनल सीएमओ ने कोतवाली प्रभारी को भेजकर मामले की जानकारी देते हुए केस दर्ज कराने को कहा। सीओ कोतवाली ने मामले में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज जानकारी के अनुसार 26 अक्तूबर, नौ नवंबर और 11 नवंबर को सीएमओ कार्यालय से नियुक्ति पत्र जारी किए गए। 11 नवंबर को जारी पत्र पर पांच और नौ नवंबर व 26 अक्तूबर वाले पत्र पर चार—चार लोगों को फॉर्मासिस्ट पद पर चयनित करते हुए नियुक्ति पत्र जारी किए गए। इनकी नियुक्ति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर दर्शाई गई। जालसाज ने सबकी नियुक्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत 31 मार्च 2025 के लिए दर्शाई। इस फर्जी नियुक्ति पत्र पर यह भी लिखा गया कि मार्च में इनके कार्यों का मूल्यांकन करने के लिए सत्र 2025—26 के नवीनीकरण पर विचार किया जाएगा। इन सभी को एक सप्ताह के अंदर तैनाती स्थल पर ज्वाइन करने का निर्देश भी दिया गया। फर्जी नियुक्ति पत्र पर नियुक्ति पाने वालों में तीन सिद्धार्थनगर, दो कुशीनगर, दो महराजगंज, दो गोरखपुर, दो बस्ती और एक प्रयागराज और एक देवरिया के हैं।

कु. शशिकला सिद्धार्थनगर, रुद्रेश सिंह सिद्धार्थनगर, प्रियांशु द्विवेदी इलाहाबाद, पंकज कुमार गौतम बस्ती, विद्यानिवासी भारती सिद्धार्थनगर, पंकज कुमार बस्ती, रुद्रेश सिंह गोरखपुर, मो. अशफाक महराजगंज, रोहित राजेश चौरसिया गोरखपुर, पुनीता चौहान कुशीनगर, शादाब अली महराजगंज, अमित कुमार चौहान देवरिया, अनुप्रिया दुबे, कुशीनगर। संज्ञान में आया कि किसी ने मेरे फर्जी हस्ताक्षर से तीन अलग—अलग तारीखों में फॉर्मासिस्टों की नियुक्ति करते हुए उनकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनाती भी कर दी है। प्रारंभिक जांच कराई गई तो इस पर फर्जी पत्रांक संख्या और मेरे फर्जी हस्ताक्षर किए गए हैं। एडिशनल सीएमओ डॉ. एके चौधरी ने इस संबंध में कोतवाली में केस दर्ज कराया है। पुलिस की जांच में पता लगेगा कि इतना बड़ा फर्जीवाड़ा किसने और कैसे कियारू डॉ. आशुतोष कुमार दुबे, सीएमओ

नवाचारी शिक्षण विधियां, गणित किट प्रयोग के प्रथम बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे उच्च प्राथमिक विद्यालयों के गणित शिक्षकों का नवाचारी शिक्षण विधियां एवं गणित किट प्रयोग हेतु तीन दिवसीय प्रथम बैच का प्रशिक्षण बुधवार को संपन्न हुआ। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया। समापन अवसर पर डायट प्राचार्य ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण में शिक्षक मात्र एक माध्यम है इसका प्रमुख उद्देश्य बच्चों को गणित किट के सही प्रयोग की जानकारी देना है। इसलिए आप सब बच्चों को किट की सही जानकारी अवश्य दें। कहा कि शिक्षकों का यह कर्तव्य है कि वह नवाचारी विधियों द्वारा रुचिकर शिक्षण के साथ—साथ बच्चों की नैतिकता एवं उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान दें। प्रशिक्षण प्रभारी व प्रवक्ता अलीउद्दीन ने कहा कि प्रशिक्षण में सीखी गई

—बच्चों को गणित किट की सही जानकारी दें शिक्षक— संजय शुक्ल

विधाओं को शिक्षक अपनी कक्षाओं में लागू करें। जिससे बच्चे आसान और रुचिकर ढंग से गणित विषय को सीख सकें। उन्होंने बताया कि प्रथम बैच में कुछ ब्लॉकों के शिक्षकों का प्रशिक्षण पूरा हुआ है शेष ब्लॉक के शिक्षकों का प्रशिक्षण द्वितीय बैच में होगा। प्रशिक्षण के सन्दर्भदाता हरेंद्र यादव, बालमुकुन्द, अनूप सिंह और अमरेन्द्र चौधरी के द्वार प्रशिक्षण के अंतिम दिन संख्या मापन, संख्या, संक्रियाएँ, आकृति पैटर्न एवं आंकड़ा प्रबंधन से संबंधित अवधारणा आदि के बारे में विस्तार से बताया गया।

इस अवसर डॉ गोविंद प्रसाद, डॉ रविनाथ त्रिपाठी, इमरान, कुलदीप चौधरी, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, वंदना चौधरी आदि उपस्थित रहे।

टीबी रोग मुक्त पंचायत की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। बुधवार को विकास खण्ड बसखारी के ड्वाकारा हॉल में टीबी रोग मुक्त पंचायत का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विकास खण्ड बसखारी परिसर के ड्वाकारा हॉल में बुधवार को टीबी रोग मुक्त पंचायत की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। बृजेश सिंह सहायक विकास अधिकारी पंचायत बसखारी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम का संचालन सीएचसी बसखारी प्रभारी अधीक्षक डा. भास्कर सूर्या ने किया। जिला कार्यक्रम समवय एके चौधरी, प्रधान संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष व भाजपा जिला प्रतिनिधि रुद्र प्रसाद उपाध्याय, वरिष्ठ पर्यवेक्षक चिकित्सा राज कुमार यादव समेत अन्य अतिथियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 2030 तक पूरे विश्व को और 2025 तक भारत को टीबी रोग मुक्त रखने का संकल्प संजोया है, उसे हर हाल में सामूहिक प्रयास से पूरा करना होगा। इस मौके पर यह बल दिया गया कि बसखारी ब्लाक के 69 ग्राम पंचायतों को पूरी तरह से टीबी मुक्त रखा जाए। इसके लिए सभी संबंधित ग्राम प्रधानों व सचिवों में गांव—गांव में टीबी के रोगी को चिन्हित करने के साथ ही स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सूचित समय से उपलब्ध कराने के लिए बात कही गई। टीबी रोग मुक्त पंचायत की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न गांवों के ग्राम प्रधान, सभी सचिव, एडीओ पंचायत समेत ब्लाक के स्टाफ मौजूद रहे।

दो दिवसीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता सम्पन्न

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। बनकटी ब्लाक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय अहरा के प्रांगण में चल रही दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन बुधवार को हुआ। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रियेशपाल ने कहा कि बच्चों का जिस तरह से प्रदर्शन है वह काबिले तारीफ है। पढ़ाई के साथ विद्यालयों में खेल भी अनिवार्य किया गया है जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। खंड शिक्षा अधिकारी बनकटी अरुण कुमार यादव ने कहा है कि प्रतियोगिता के दौरान शिक्षकों ने कड़ी मेहनत करके प्रतियोगिता को सफल बनाया जिसके लिए प्रतियोगिता में लगे सभी लोग बधाई के पात्र हैं। प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश गौड़ ने कहा कि खेलकूद का आयोजन करने से बच्चों के अंदर जो प्रतिभा होती है उसको प्रदर्शित करने का अवसर होता है। शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ल ने कहा कि ऐसे ही आयोजनों की देन है कि आज हमारे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे राज्य स्तर और

—कबड्डी में दीक्षापार खो—खो में बेलराई की टीम ने मारी बाजी

राष्ट्रीय स्तर पर अपना और जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। प्राथमिक संवर्ग 50 मीटर दौड़ में आदित्य, 200 मीटर दौड़ में महफूज अव्वल रहे। कबड्डी में दीक्षापार और खो खो प्रतियोगिता में बेलराई की टीम ने बाजी मारी। वॉलीबॉल में पड़ियापार अव्वल रहा।

इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के सदर तहसील अध्यक्ष उमाकान्त शुक्ल, ब्लॉक व्यायाम शिक्षक मक्खनलाल, राम अक्षैबर चौधरी, शिवशंकर यादव, राजेश सिंह, किष्णकान्त तिवारी, शेषमणि पटेल, खुर्शीद अहमद, मोहम्मद असलम, दुर्गेश राव, ध्रुव यादव, अतुल कृष्णराज, इकबाल, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, ह्रदय विकास पाण्डेय, राजकेश चौहान, अनिल पाठक, हरिश्चंद्र चौधरी, अशोक मौर्य, ध्रुव नारायण दुबे, शांति यादव, आशा त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला का आयोजन कर बच्चों को किया गया जागरूक

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात माह नवम्बर के 13वें दिन जनपदीय पुलिस व यातायात पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग कर यातायात नियमों का प्रचार—प्रसार पम्पलेट आदि वितरित कर जागरूक किया गया। नबी हसन इंटर कॉलेज कुर्की बाजार में कार्यशाला का आयोजन कर बच्चों को यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। नागरिक पुलिस, यातायात पुलिस टीम द्वारा बिना हेलमेट व सीट बेल्ट लगाये व्यक्तियों को जागरूक किया गया। पम्पलेट वितरण तथा वाहन चेकिंग यातायात नियमों का प्रचार—प्रसार किया गया। बिना पंजीकृत व बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर वैधानिक कार्यावाही की गई। चार पहिया वाहनों की खिड़की से शीशे पर काली फिल्म को हटवाया गया। यातायात उप निरीक्षक जय बहादुर यादव ने बताया कि विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी शासन के निर्देशानुसार नवंबर माह को यातायात माह के रूप में मनाया जा रहा है। बुधवार को नबी हसन इंटर कॉलेज कुर्की बाजार में कार्यशाला का आयोजन कर बच्चों को यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। सुरक्षित यातायात सुनिश्चित कराने हेतु लोगों को हेलमेट पहनने, सेफ्टी बेल्ट लगाने हेतु प्रेरित करते हुए सावधानी पूर्वक रोड पर चलने, यातायात नियमों का पालन करने हेतु सुझाव दिया गया एवं रोड सेफ्टी के प्रति लोगो को जागरुक किया जा रहा है तथा यातायात नियमों के प्रति जागरुक रहकर उनका पालन करने की अपेक्षा की गयी।

भव्य पंडाल एवं भव्य मूर्ति स्थापित करने वालों को मिला सम्मान

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। केन्द्रीय दुर्गा पूजा समिति अकबरपुर की ओर से सम्मान समारोह का आयोज नगर के गायत्री मंदिर के पास हुआ। डा. हिमांशु गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित सम्मान समारोह में दुर्गा पूजा में भव्य पंडाल एवं भव्य मूर्ति स्थापित करने वाली समितियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। समारोह पूर्वक हुए आयोजन में मूर्ति में प्रथम स्थान पाने वाले ज्वाला देवी दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष राममूरत एवं पंडाल में प्रथम स्थान पाने वाले मां वैष्णो देवी दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष संतीश अग्रहरि को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के मौके पर समिति के संरक्षक बाबा रामशब्द यादव, मनोज गुप्ता, राहुल मोदनवाल, विशाल साहू, रामजनम यादव प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख की ठगी में दर्ज हुआ मुकदमा

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। बसखारी थाना क्षेत्र में लगभग चार वर्ष पूर्व नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख रुपए ठगी करने के मामले में न्यायालय के आदेश पर दंपति समेत तीन लोगों के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, गाली गलौज और धमकी के आरोप में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले में सभी आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर हैं। बसखारी बाजार निवासी मोहम्मद रईस खान पुत्र हाजी मोहम्मद 2020 में इंडियन टेलीफोन विभाग मनकापुर गोंडा में कार्यरत थे। इस दौरान उनका पुत्र आसिफ खान बीटेक किया था। बताया जाता है कि विभाग के ही राजेश कुमार शुक्ल, उसकी पत्नी लक्ष्मी शुक्ला निवासी इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज रायबरेली टाउनशिप इलेक्ट्रिकल थाना मिलऐरिया रायबरेली तथा राकेश कुमार मिश्र पुत्र राजितराम मिश्र निवासी लालनगर कलहंस गोंडा ने रईस खान से उसके पुत्र आसिफ खान को इंडियन कॉल लिमिटेड में इंजीनियर के पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख रुपए की मांग की। रईस खान ने 30 जनवरी 2020 को छह लाख, 14 फरवरी 2020 को एक लाख, 11 मार्च 2020 को 50 हजार एवं घर पर आकर 250000 रुपए दे दिए। इस दौरान रईस खान सेवानिवृत्त होकर घर आ चुके थे। कुछ दिन बीतने के बाद रईस खान ने फोन से ही ज्वाइन लेटर की मांग की तो सभी लोग दिन—ब—दिन टरकाते रहे। पीड़ित रईस खान ने अपने पैसे की मांग की तो आरोपियों ने गाली गलौज व धमकी देते हुए पैसे हड़प लिया। थाना पुलिस में शिकायत न सुने जाने के बाद रईस खान ने अदालत की शरण ली। प्रभारी निरीक्षक संत कुमार सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल की जा रही है। दोषी पाए जाने पर आरोपियों के खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

ऑनलाइन टाइम टेबल मॉनिटरिंग में जीजीआईसी जलालपुर में मिली गड़बड़ी

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। शिक्षण कार्य की ऑनलाइन मॉनिटरिंग में जीजीआईसी जलालपुर में गड़बड़ी पाई गई है। विद्या समीक्षा केंद्र लखनऊ के द्वारा की गई ऑनलाइन टाइम टेबल मॉनिटरिंग (ओटीएम) में क्लास नहीं चलते पाए गए। इसके अलावा क्लास में शिक्षक भी मौजूद नहीं थे। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र लिखकर प्रकरण में उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए एक सप्ताह में कार्रवाई करते हुए आख्या मांगी है। राजकीय इंटर कॉलेज में पठन—पाठन की ऑनलाइन मॉनिटरिंग विद्या समीक्षा केंद्र लखनऊ द्वारा की जा रही है। जिसके द्वारा समय—समय पर विद्यालयों में शिक्षण कार्य टाइम टेबल के अनुसार हो रहा है या नहीं इसकी ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाती है। पिछले महीने मॉनिटरिंग के दौरान जीजीआईसी जलालपुर में कक्षा में शिक्षक मौजूद नहीं पाए गए थे। इसके अलावा प्रधानाचार्य भी अपने कक्ष में मौजूद नहीं मिलीं। चार, पांच और सात अक्टूबर को ऑनलाइन टाइम टेबल मॉनिटरिंग के दौरान यह गड़बड़ी सामने आई। जिसके बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने जिला विद्यालय निरीक्षक को पत्र लिखकर विद्यालय का आवश्यक निरीक्षण करने और ऑनलाइन टाइम टेबल मॉनिटरिंग के संबंध में जानकारी देने के अलावा पाई गई विसंगतियों के संबंध में एक सप्ताह के अंदर कार्रवाई करते हुए जवाब मांगा है। जिला विद्यालय निरीक्षक गिरीश कुमार सिंह ने बताया की शिक्षा निदेशक के आदेश के क्रम में विद्यालय का निरीक्षण कर प्रधानाचार्य से जवाब मांगा गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानाचार्य सप्ताह में 12 वादन, प्रवक्ता 30 और सहायक अध्यापक 36 वादन शिक्षण कार्य करेंगे। इसमें लापरवाही मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। जिला विद्यालय निरीक्षक ने जिले के सभी राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य को निर्देश दिया है कि टाइम टेबल के अनुसार शिक्षण कार्य न अनवरत चलते रहना चाहिए। क्योंकि लगातार ऑनलाइन टाइम टेबल की मॉनिटरिंग की जा रही है।

मनरेगा में गड़बडी का मामला: बीडीओ समेत सात के खिलाफ होगी कार्रवाई

संवाददाता— संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के विकास खंड बेलहर कला में मनरेगा में अनियमितता के मामले में आयुक्त ग्राम्य विकास ने बीडीओ, एपीओ, पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सेवक, महिला मेट एवं ग्राम प्रधान को उत्तरदायी ठहराया है। संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के लिए पांच नवंबर को डीएम संतकबीरनगर को पत्र भेजा है। डीएम से कार्रवाई करते हुए 15 दिनों के भीतर अवगत कराने की अपेक्षा की है।

दस सितंबर 2024 को विकास खंड बेलहर कला के ग्राम पंचायत जंगल बेलहर के ग्राम पिपरी रोड से राजाराम के घर तक खड़ंजा पटरी निर्माण कार्य पर लगे श्रमिकों के सापेक्ष मस्टर रोल में अधिक नाम अंकित किया गया। मस्टर रोल में महिला श्रमिकों के नाम अंकित होने के बावजूद कार्य स्थल पर महिला श्रमिक उपस्थित नहीं होने, एक ही फोटो को कई बार मस्टर रोलों पर अपलोड किए जाने के संबंध में आयुक्त कार्यालय ग्राम्य विकास विभाग ने डीसी मनरेगा से जांच कर आख्या देने का निर्देश दिया था। डीसी मनरेगा ने ग्राम पिपरी में पिचरोड से राजाराम के घर तक प्रस्तावित खड़ंजा पटरी निर्माण कार्य का स्थलीय सत्यापन कर दस सितंबर 2024 को ही आख्या आयुक्त ग्राम्य विकास के कार्यालय को प्रेषित कर दिया था।

आयुक्त ग्राम्य विकास ने पांच नवंबर 2024 को डीएम संतकबीरनगर को भेजे पत्र में कहा है कि डीसी मनरेगा की आख्या के मुताबिक निरीक्षण में पाया कि प्रस्तावित कार्य के सापेक्ष 10 मस्टर रोल सृजित किए गए गए हैं तथा ग्राम रोजगार सेवक द्वारा दो सितंबर 2024 से 10 सितंबर 2024 तक दस मस्टररोलों में प्रत्येक दिन 97—97 श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज की गई है। साथ ही एक ही फोटो को कूटरचित, फर्जी तरीके से अपलोड कर 3,69,500 रुपये की धनराशि के गबन का प्रयास किया गया है। डीसी मनरेगा ने कार्य प्राविधानित विशिष्टियों के अनुरूप नहीं पाए जाने, कार्यों की तकनीकी स्वीकृति संबंधी अभिलेख पत्रावली में उपलब्ध नहीं होने तथा मस्टर रोल में महिला श्रमिकों के फर्जी नाम अंकित किए जाने का उल्लेख किया है। डीसी मनरेगा की आख्या के उपरांत आयुक्त ग्राम्य विकास की ओर से 15 अक्तूबर 2024 को नोटिस जारी कर बीडीओ बेलहर श्वेता वर्मा को स्पष्टीकरण उपलब्ध कराए जाने का निर्देश दिया गया। बीडीओ श्वेता वर्मा ने 23 अक्तूबर 2024 को अपना स्पष्टीकरण उपलब्ध कराया। जिसका परीक्षण किए जाने पर स्पष्टीकरण असंतोषजनक, तथ्यहीन एवं कार्यालय द्वारा प्रेषित पत्र में इंगित बिंदुओं के विपरीत पाया गया। कार्यक्रम अधिकारी, खंड विकास अधिकारी ने मस्टर रोल में महिला श्रमिकों के नाम अंकित होने के बावजूद कार्य स्थल पर महिला श्रमिक उपस्थित न होने के संबंध में स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। जिससे स्पष्ट होता है कि मनरेगा कार्यों में लगे वास्तविक श्रमिकों के सापेक्ष मस्टर रोल में अधिक नाम अंकित कर वित्तीय अनियमितता की गई है। साथ ही वित्तीय अनियमितता के लिए उत्तरदायी कार्मिकों के विरुद्ध भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार नहीं की गई है।

17 जून 2022 द्वारा मनरेगा कार्यों में लगे श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए ग्राम स्तर पर महिला मेट, ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सचिव को उत्तरदायी बनाया गया है। उपस्थिति के अनुश्रवण के लिए विकास खंड स्तर पर कार्यक्रम अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को उत्तरदायी बनाया गया है, लेकिन कार्यक्रम अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी ने पदीय दायित्वों का निर्वहन नहीं करते हुए ग्राम पंचायत मनरेगा कार्मिकों की दुरभिसंधि से वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं। जिसके लिए कार्यक्रम अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी, पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सेवक, महिला मेट एवं ग्राम प्रधान उत्तरदायी हैं। आयुक्त ग्राम्य विकास ने डीएम से पत्राचार कर कहा है कि बीडीओ बेलहर समेत अन्य संबंधितों के खिलाफ मनरेगा एक्ट में निहित निर्देशों के अनुसार कार्रवाई करने और 15 दिन के भीतर कृत कार्रवाई से ई—मेल पर अवगत कराएं।

डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि आयुक्त ग्राम्य विकास ने मनरेगा के मामले में अनियमतता पाए जाने पर बीडीओ बेलहर श्वेता वर्मा, एपीओ, पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सेवक, महिला मेट एवं ग्राम प्रधान के खिलाफ कार्रवाई के लिए संस्तुति की है। मनरेगा एक्ट में प्रावधानित निर्देशों के अनुसार संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। निर्धारित समय सीमा में कार्रवाई से आयुक्त ग्राम्य विकास को अवगत भी कराया जाएगा।

रोड से अतिक्रमण हटाने को 24 घंटे की मोहलत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। शहर की लाइफ लाइन कहीं जाने वाली खजुरिया रोड का तीन महीने में भी पूरी तरह से अतिक्रमण न हटा पाने वाला प्रशासन बिजली विभाग के हाथ खड़े कर देने के बाद हरकत में आ गया। एसडीएम ने मौके पर पहुंच कर लाल निशान लगाकर अतिक्रमणकारियों को हटाने के लिए 24 घंटे का समय दिया है। अतिक्रमण न हटने पर प्रशासन खुद उस पर बुलडोजर चलवाएगा। खजुरिया रोड का चौड़ीकरण होना है। सड़क पर इतना अधिक अतिक्रमण था कि प्रशासन ने करीब तीन माह हुए कई लोगों के पक्के मकान व दुकानों को ध्वस्त कर दिया था लेकिन कुछ पर दरियादिली दिखा कर उसे छोड़ दिया था। रोड चौड़ीकरण में सबसे बड़ी बाधा बिजली के पोल हैं जिन्हें शिफ्ट करने के लिए नगर पालिका द्वारा 44 लाख रुपये बिजली विभाग को भुगतान भी किया जा चुका है। बिजली विभाग पोल शिफ्ट कराना चाह रहा है लेकिन अतिक्रमण कई जगहों से नहीं हटने पर वह अपने काम नहीं कर पा रहा है। उसने पूरी तरह से अतिक्रमण साफ होने के बाद ही पोल शिफ्ट करने को कहा तो प्रशासन हरकत में आ गया।

चोरों ने चंद मिनट में गल्ला व्यवसायी की उड़ाई पिकअप

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के महुली थाना क्षेत्र के नाथनगर में मंगलवार देर रात कार सवार चोरों ने गल्ला व्यवसाई के दरवाजे पर खड़ी पिकअप वाहन को चंद मिनट में चोरी कर लिया। चोरों की यह करतूत पड़ोसी के घर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

महुली क्षेत्र के नाथनगर निवासी सुरेश पुत्र विश्वनाथ गल्ला खरीद—फरोख्त कार्य करते हैं। मंगलवार देर शाम पिकअप दरवाजे पर खड़ी कर घर में सोने चले गए। पड़ोसी के घर लगे सीटीवी कैमरे में यह दिख रहा है।

मंगलवार देर रात विश्वनाथपुर की तरफ से एक कार उनके घर के सड़क किनारे रुकी। करीब पांच मिनट बाद दरवाजे पर खड़ी पिकअप चोरी करके चोर विश्वनाथपुर की तरफ के गए। सीसीटीवी कैमरे में पीछे रुकी सन्दिग्ध कार भी वापस जाते दिख रही है। वाहन स्वामी सुरेश रात में नीद खुलने के बाद जब बाहर निकले तो वहां खड़े वाहन गायब देख सन्न रह गए। रात में ही सूचना पर पहुंची पुलिस छानबीन शुरू कर दिया था। लेकिन पुलिस का हाथ खाली रहा। चोरी की वारदात से व्यापारियों में भय व्याप्त है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला—बस्ती
प्रकीर्णवाद 51/2023
मूलवाद सं0—279/2013
ओम प्रकाश आदि
बनाम
जय प्रकाश आदि

1. जय प्रकाश उम्र लगभग 61 वर्ष पुत्र पटेसरी 2. धीरेन्द्र प्रताप सिंह उम्र लगभग 39 वर्ष पुत्र जय प्रकाश सिंह साकिनान मौजा पदमापुर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. अजय सिंह उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र परसराम सिंह ग्राम कौड़ीकोल बुजुर्ग तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हरैया जिला—बस्ती 4. नायब तहसीलदार कप्तानगंज एन चौधरी तहसील हरैया जिला—बस्ती
—प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 23—11—2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 11 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 द्वितीय महोदय बस्ती जिला—बस्ती
वाद सं0 64/2020
आसमा खातून
बनाम
गुरू प्रसाद आदि

2/1 विरेन्द्र उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र गुरूप्रसाद 2/2 प्रभाकर उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र गुरूप्रसाद 6./1 परमात्मा उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र स्व0 रामलगन निवासीगण मौजा मूड़घाट तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला—बस्ती

तारीख पेशी 18—11—2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 18 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0—828/2023
न्यायालय—श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला—बस्ती
रामबली राव
बनाम
ममता सिंह आदि

7. राजदेवी उर्फ कोयला पत्नी स्व0 केशरी सिंह साकिन पिपरा प्रथम तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला—बस्ती

तारीख पेशी 01—01—2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 11 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

—द0 हाकिम

पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ 17 को

संवाददाता—गोरखपुर। गायत्री परिवार रचनात्मक ट्रस्ट द्वारा राप्तीनगर क्षेत्र के गणेशपुरम कॉलोनी में 17 नवम्बर को सुबह 9 बजे से पंचकुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विराट दीप यज्ञ का आयोजन किया जाएगा। मुख्य ट्रस्टी दीना नाथ सिंह ने बताया कि महायज्ञ को संपन्न कराने शान्तिकुंज हरिद्वार से साध्वी प्रो. गायत्री देवी एवं टोली का आगमन हो रहा है। दीप यज्ञ सायं 4 बजे से आरंभ होगा।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय—
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय—
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय—
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com